आपके पत्र

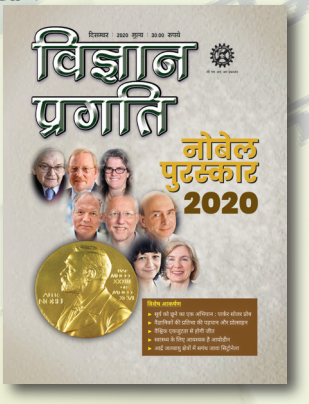

विज्ञान प्रगति के 800 अंक पूरे होने पर बधाई

सीएसआईआर-निस्केयर, दिल्ली से प्रकाशित विज्ञान प्रगति प्रकाशन के तकरीबन सात दशक पूरा करने जा रहा है। जिसके जनवरी 2021 तक सफलतम रूप से 800 अंक पूरे कर लिए गए हैं। इस अतुलनीय सफलता के लिए बहुत-बहुत बधाई!

विज्ञान प्रगति का अनवरत प्रकाशन काबिले तारीफ है। कोरोना जैसे विपत्ति काल में भी यह पत्रिका लगातार प्रकाशित होती रही और लोगों को कोरोना तथा उसके बचाव के बारे में जागृत करती रही। इसकी टीम की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। विज्ञान की सबसे अच्छी पत्रिका 'विज्ञान प्रगति' ने एक महत्वपूर्ण महत्वकांक्षी सफर पूरा किया है। जिसके इस सफर के साथी विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थान, विश्वविद्यालय और जिज्ञासु बच्चे रहे हैं, जिन्होंने विज्ञान प्रगति द्वारा आम जनमानस में विज्ञान के प्रति रुचि जगाई है। विज्ञान प्रगति अपने शुरुआती अंक से लेकर वर्तमान समय तक एक लंबा सफर तय करते हुए कई बदलावों को लेकर हमारे सामने आयी है। इसमें बदलाव कर आगे बढ़ना ही प्रकृति में बने रहने का सही कदम है। आज समय के अनुसार पत्रिका ऑनलाइन माध्यम में भी सुलभता से उपलब्ध है। जनवरी के इस विशेष 800वें अंक में गत वर्ष की प्रमुख वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है। जहां एक ओर विभिन्न विषयों पर आधारित लेख प्रतियोगी परीक्षाओं में उपयोगी साबित हुए हैं, वहीं इसका खासा महत्व तब बढ़ जाता है जब एक साधारण किसान हिंदी भाषा में खेतीबाड़ी, बागवानी और औषधीय पौधों के गुण, विशेषताओं और उससे होने वाली लाभदायक जानकारी के माध्यम से अपनी खेती करने से तरीके में बदलाव कर उसे आधुनिक 'ऑर्गेनिक खेती' करने पर जोर देते हैं। इन सभी पहलुओं पर ध्यान दें तो हम कह सकते हैं कि यह पत्रिका समग्र हित का ख्याल करते हुए जनहित के लिए समर्पित है। विज्ञान के हर नये तथ्य को समझने का सबसे आसान जरिया यह पत्रिका है जो अपने नित नये समसामायिक विशेष अंकों के लिए जानी जाती है।

भविष्य में भी विज्ञान प्रगति अपने पाठकों से इसी तरह जुड़ी रहेगी और विज्ञान से जुड़ी सभी सही जानकारी साझा करेगी, जिससे पाठकों का विश्वास बना रहे। इसी उम्मीद व सकारात्मक सोच के साथ कि विज्ञान प्रगति नित नए अंक के साथ पाठकों के बीच आती रहे, ढ़ेरों शुभकामनाएं!

श्री नितेश कुमार सिन्हा
स्नातकोत्तर छात्र
दक्षिण बिहार, केंद्रीय विश्वविद्यालय
गया 824 236 (बिहार)
[मो.: 9852533965;
ई-मेलः niteshmth011@gmail.com]

रोचक पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ, और मुझे इसका प्रत्येक अंक रोचक, अद्वितीय एवं ज्ञानवर्धक लगता है। मैं विज्ञान प्रगति को दिव्य ज्ञान की ज्योति मानता हूँ, क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त होने वाली नवीन जानकारियाँ विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिए बहुत उपयोगी और ज्ञानवर्धक होती हैं। विज्ञान प्रगति के स्तम्भ जैसे सीएसआईआर बुलेटिन, विज्ञान क्विज़, युवा वैज्ञानिक, नवीन प्रौद्योगिकी हमेशा से ही रोचक रहे हैं। मैं सम्पूर्ण संपादक मंडल को विज्ञान प्रगति जैसी प्रतिष्ठित पत्रिका को प्रकाशित करने के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

श्री विमल वर्मा
मोहल्ला दुर्गाप्रसाद
निकट रम्पुरा चौराहा
बीसलपुर, जिला-पीलीभीत 262201 (उ.प्र.)
[मो.: 9627938922]

सादर नमन

सज-धज साथ मिला मुझको, विज्ञान प्रगति अक्तूबर अंक।
संपादकीय में पढ़ा भयावह, कोरोना-19 का डंक।।

सीएसआईआर स्थापना दिवस पर, आमुख कथा हुई व्यंजित।
गौरवशाली इतिहास रहा, उज्ज्वल भविष्य महिमामंडित।।

प्रक्रिया सरल, अभिनव प्रयोग, हो रहीं नित्य शुभ नवल खोज।
कोविड-19 की औषधि हित, प्रौद्योगिकी भर रही प्रखर ओज।।

'बबल में दुनिया' 'कोविड-19', 'पहाड़ियों पर साथी याक'।
'बहुपयोगी पीले पुष्प' में, खूब जमीं पीले की धाक।।

भारत के वैज्ञानिक अनुपम, रहे डॉ. अबुल कलाम।
सात पुलों की पहेली उत्तम, सूर्य परत कोरोना नाम।।

रम्य तितलियों की दुनिया में, ले आया मोहक लघु लेख।
आश्चर्य से फटे रहे दृग, शैवाल संवर्द्धन की पहल देख।।

अंतरिक्ष की सैर कराता, इसरो गगनयान अभियान।
अंतरिक्ष स्टेशन परियोजना, भारत देश हेतु अभिमान।।

खाद्य सुरक्षा कविता सुंदर, राजवीर सिंह को सम्मान।
भाव ललित, संदेश लाभप्रद, दिया सभी को अनुपम ज्ञान।।

पेटेंट सूक्ष्म विज्ञान जनक, आनंद मोहन को शत-शत प्रणाम।
साइंस स्पेक्ट्रम, विज्ञान क्विज, है वर्ग पहेली अति ललाम।।

विज्ञान प्रगति है ज्ञान कोष, दे रही नवीन जानकारी।
होता न पुराना अंक कभी, कम मूल्य, पत्रिका मनहारी।।

विज्ञान छात्र मैं रहा कभी, अब भी रुचि बिल्कुल वैसी है।
मैं पढ़ता हूँ विज्ञान प्रगति, लगती अध्यापक जैसी है।।

श्री गौरीशंकर वैश्य विनम्र
संस्थापक, विनम्र बालसाहित्य संस्थान
117 आदिलनगर, विकासनगर, लखनऊ 226 022 (उ.प्र.)
[मो.: 09956087585; ई-मेलः gsvaish51@gmail.com]

सूचना

सभी सुधी लेखकों को अवगत कराना है कि अपने लेख के साथ अपना बैंक ब्यौरा, (बैंक का पता आई एफ एस सी कोड) तथा एकाउन्ट नम्बर अवश्य भेजें। जिन लेखकों का बैंक ब्यौरा समय से प्राप्त नहीं होगा, उनका मानदेय नहीं दिया जा सकेगा।